मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने किया राज्य स्तरीय प्रदर्शनी का उद्घाटन

डी.आई.पी.आर. की स्टॉल पर मुख्यमंत्री ने डिजिटल सेल्फी लेकर एआई इंटरएक्टिव प्रश्नोत्तरी में हिस्सा लिया

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्य सरकार के 2 वर्ष पूर्ण होने पर सोमवार को जवाहर कला केंद्र में आयोजित राज्य स्तरीय प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। उन्होंने प्रदर्शनी में विभिन्न विभागों की स्टॉल्स पर जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास परियोजनाओं, विभिन्न जनोपयोगी उपकरणों एवं उत्पादों, नवाचारों एवं उपलब्धियों का अवलोकन किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की स्टॉल पर लगाए गए डिजिटल सेल्फी पॉइंट पर सेल्फी भी क्लिक करवाई। साथ ही, उन्होंने स्टॉल पर एआई इंटरएक्टिव पैनल के माध्यम से संचालित प्रश्नोत्तरी क्विज में भी भाग लिया। वहीं, गृह विभाग की स्टॉल पर पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने मुख्यमंत्री को विभाग के नवाचारों से संबंधित जानकारी दी। शर्मा ने राजकॉप ऐप के माध्यम से शिकायतोंके प्रभावी निस्तारण पर संतोष व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री ने ऊर्जा विभाग की स्टॉल पर जयपुर डिस्कॉम के प्रजेन्टेशन के जरिए ग्रिड डिजिटलाइजेशन की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने कहा कि पीएम कुसुम योजना एवं पीएम सूर्य घर योजना डबल इंजन सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाएं हैं। इनके माध्यम से अधिक से अधिक लोगों को लाभांवित किया जाए। उन्होंने स्वायत्त शासन विभाग की स्टॉल पर शहर के सीवरेज के मैनहॉल की सफाई के लिए रोबोटिक मशीन की कार्यप्रणाली की जानकारी ली।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्य सरकार के 2 वर्ष पूर्ण होने पर सोमवार को जवाहर कला केंद्र में राज्य स्तरीय प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी, डॉ. प्रेमचंद बैरवा, मंत्री ओटाराम देवासी और सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के शासन सचिव एवं आयुक्त संदेश नायक उपस्थित रहे।

- ऊर्जा विभाग की ग्रिड डिजिटलाइजेशन के नवाचार की जानकारी ली और गृह विभाग के राजकॉप ऐप पर शिकायतों की त्वरित निस्तारण प्रक्रिया को सराहा
- मुख्यमंत्री ने हाऊसिंग बोर्ड की दो नई आवासीय योजनाओं का शुभारंभ किया और सेंट्रल स्पाइन योजना ब्लॉक-जी के काश्तकारों को पट्टे बांटे

शर्मा ने नगरीय विकास एवं आवासन मंडल के स्टॉल्स पर राजस्थान हाउसिंग बोर्ड की ओर से विभिन्न आय वर्गों के लिए हनुमानगढ़ एवं भिवाड़ी में नवीन आवासीय योजनाओं का शुभारंभ किया। इस दौरानमुख्यमंत्री ने जयपुर विकास प्राधिकरण की ओर सेजगतपुरा सेंट्रल स्पाइन योजना ब्लॉक-जी के प्रतीकात्मक रूप से 3 काश्तकारों (कुल 20 लाभान्वित खातेदार) को मौके पर ही पट्टे वितरित किए। साथ ही, उन्होंने जेडीए की डिजिटल मार्गदर्शिका का भी विमोचन किया।

इस दौरान उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी, डॉ. प्रेमचंद बैरवा, संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत, नगरीय विकास राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा, पंचायतीराज राज्य मंत्री ओटाराम देवासी, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा, सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के शासन सचिव एवं आयुक्त संदेश नायक उपस्थित रहे। वहीं विभागीय स्टॉल्स पर विभाग के वरिष्ठ अधिकारी एवं आमजन भी मौजूद रहे।

उल्लेखनीय है कि सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग द्वारा लगाई गई इस प्रदर्शनी में कृषि, पशुपालन एवं मत्स्य विभाग, सहकारिता, जल संसाधन एवं पीएचईडी, ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज, आपदा प्रबंधन, श्रम, ऊर्जा, खान एवं भू-विज्ञान, सार्वजनिक निर्माण, स्वायत्त शासन, नगरीय विकास, परिवहन एवं सड़क सुरक्षा, सूचना एवं प्रौद्योगिकी, शिक्षा, उद्योग एवं वाणिज्य, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, गृह, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, आयोजना, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, महिला एवं बाल विकास, वन, पर्यटन सहित अन्य विभागों द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों, योजनाओं एवं उपलब्धियों को फोटो एवं वीडियो पैनल के माध्यम से दर्शाया गया है। इस प्रदर्शनी से आमजन को सरकार के कल्याणकारी फैसलों, कार्यक्रमों, नीतियों और योजनाओं की जानकारी मिल सकेगी। यह राज्य स्तरीय प्रदर्शनी 18 दिसम्बर तक आयोजित होगी, जिसमें आमजन प्रात: 11 बजे से शाम 8 बजे तक विजिट कर सकेंगे।

संस्कृति मंत्रालय ने पतंजलि विश्वविद्यालय को ज्ञान भारतम मिशन का ''क्लस्टर सेंटर'' बनाया

प्रधानमंत्री मोदी की भारतीय संस्कृति, धरोहर एवं विरासत के संरक्षण की दूरदृष्टि का आधार है ज्ञान भारतम मिशन : स्वामी रामदेव

हरिद्वार (कासं)। ज्ञान भारतम मिशन, संस्कृति मंत्रालय की ओर से सोमवार को हरिद्वार में आयोजित समारोह में पतंजलि विश्वविद्यालय को ''क्लस्टर सेंटर'' के रूप में मान्यता प्रदान की गई। इस संदर्भ में पतंजलि विश्वविद्यालय के कुलाधिपति योगगुरु स्वामी रामदेव, कुलगुरु डॉ. आचार्य बालकृष्ण तथा ज्ञान भारतम मिशन के प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ. अनिर्बान दाश, डॉ. श्रीधर बारीक (कॉर्डिनेटर,) तथा विश्वरंजन मालिक (कॉर्डिनेटर, डिजिटाइजेशन,) की उपस्थिति में एक एमओयू साइन किया गया।

योगगुरु स्वामी रामदेव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, संस्कृति मंत्री गजेंद्र शेखावत सहित ज्ञान भारतम मिशन की पूरी टीम का धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की संस्कृति मूलक भारतीय ज्ञान परंपरा के संरक्षण का जीवंत उदाहरण है ज्ञान भारतम मिशन।

डॉ. आचार्य बालकृष्ण ने बताया कि अभी तक 33 एमओयू इस मिशन के तहत साइन हुए हैं जिसमे क्लस्टर सेंटर 20 हैं। इनमें से 8 विश्वविद्यालय हैं और योग शिक्षा आधारित प्रथम क्लस्टर सेंटर पतंजलि विश्वविद्यालय है। उन्होंने बताया कि अभी तक पतंजलि विश्वविद्यालय में 50 हजार से ज़्यादा प्राचीन ग्रंथों के संरक्षण, 42 लाख पृष्ठों के डिजिटलाइजेशन और 40 से अधिक पांडुलिपियों के शोधन एवं पुनर्प्रकाशन का कार्य किया जा चुका है। ज्ञान भारतम के क्लस्टर सेंटर के रूप में अब पतंजलि इस कार्य को और दिव्यता प्रदान करते हुए 20 केन्द्रों को भी प्रशिक्षित और प्रोत्साहित कर इस मिशन से जोड़कर भारतीय संस्कृति के रक्षण का कार्य कर सकेगा। इस अवसर पर ज्ञान भरतम मिशन के प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ. अनिर्बान दाश ने बताया कि ज्ञान भारतम मिशन के अंतर्गत क्लस्टर सेंटर के रूप में पतंजलि विश्वविद्यालय योग और आयुर्वेद पर आधारित पांडुलिपियों पर ना केवल शोध करेगा अपितु इसको शिक्षा क्रांति से जोड़कर देश एवं समाज तक पहुँचाएगा। इस अवसर पर पतंजलि विश्वविद्यालय की मानविकी एवं प्राचीन अध्ययन संकाय की डीन डॉ. साध्वी देवप्रिया सहित पतंजलि अनुसंधान संस्थान के डॉ. अनुराग वार्ष्णेय, डॉ. सतपाल, डॉ. करुणा, डॉ. स्वाति, डॉ. राजेश मिश्रा, डॉ. रश्मि मित्तल सहित सभी छात्र एवं वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

पतंजलि विश्वविद्यालय के कुलाधिपति योगगुरु स्वामी रामदेव, कुलगुरु डॉ. आचार्य बालकृष्ण तथा ज्ञान भारतम मिशन के प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ. अनिर्बान दाश, डॉ. श्रीधर बारीक (कॉर्डिनेटर,) तथा विश्वरंजन मालिक की उपस्थिति में एमओयू हुआ।

- पतंजलि विश्वविद्यालय के भारतीय संस्कृति के रक्षण के प्रयासों को और दिव्यता प्रदान करेगा यह मिशन : आचार्य बालकृष्ण
- ज्ञान भारतम मिशन के क्लस्टर सेंटर के रूप में देश का पहला योग-आयुर्वेद का विश्वविद्यालय है पतंजलि : डॉ. अनिर्बान दाश

मुख्यमंत्री ने पिंजरापोल गौशाला में की गौ-सेवा

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्य सरकार के 2 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य पर जयपुर स्थित पिंजरापोल गौशाला में सोमवार को गौ-सेवा की। उन्होंने सपत्नीक गायों की पूजा अर्चना कर गुड़ एवं चारा खिलाया।

उन्होंने इस अवसर पर हवन में आहुति भी दी। उन्होंने कहा कि गोसेवा हमारी सनातन संस्कृति और परंपरा का अभिन्न हिस्सा है तथा राज्य सरकार गौवंश के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने गौशाला परिसर में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर का अवलोकन किया। उन्होंने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि रक्तदान महादान है। साथ ही उन्होंने सभी से रक्तदान के लिए आगे आने और ऐसे आयोजनों में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आव्हान किया। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार के दो वर्षों का यह कार्यकाल सेवा, सुशासन और जनकल्याण को समर्पित रहा है।

- गायों की सेवा हमारी संस्कृति और परंपरा का अभिन्न अंग : भजनलाल शर्मा

राज्य सरकार पारदर्शिता और संवेदनशीलता के साथ हर वर्ग के उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर गोपालन विभाग द्वारा प्रकाशित 'डेयरी के स्वर्णिम दो वर्ष' पुस्तक का विमोचन भी किया। गौशाला परिसर में उपस्थित आमजन ने मुख्यमंत्री का स्वागत एवं अभिनंदन किया।इस दौरान पशुपालन एवं गोपालन मंत्री जोराराम कुमावत, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य गायत्री ए. राठौड़, शासन सचिव गोपालन डॉ. समित शर्मा सहित बड़ी संख्या में आमजन मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री के जन्मदिन पर बेटे ने भी किया रक्तदान

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के जन्मदिन पर सांगानेर विधानसभा क्षेत्र के भांकरोटा इलाके में भी रक्तदान शिविर आयोजित किया गया।

रेणु नर्सिंग होम में लगे शिविर में मुख्यमंत्री के प्रतिनिधि के रूप में उनके सुपुत्र डॉ. कुणाल शर्मा पहुंचे। उन्होंने स्वयं भी रक्तदान कर रक्तदाताओं की हौसला अफजाई की तथा प्रमाण पत्र वितरित किए। उन्होंने कहा कि रक्तदान से बढ़कर कोई दान नहीं है और हमारा रक्त किसी जरूरतमंद के काम आए, इससे बडा पुण्य भी नहीं है शिविर में वार्ड 71 के पूर्व पार्षद मुकेश शर्मा काका, प्यारे लाल शर्मा, मण्डल अध्यक्ष अनिल चौधरी, पार्षद अशोक बोहरा, गोपाल भींवाल, रमेश भींवाल, मोहन शर्मा, मांगीलाल शर्मा, भंवर लील, शंकर भाजडोलिया, प्रकाश शर्मा आदि ने भी रक्तदान किया।

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
भारत सरकार

"मौसम के जोखिमों से हमारे मेहनती किसान भाई–बहनों के हितों को सुरक्षित करने में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना काफी कारगर साबित हो रही है। इसका लाभ करोड़ों किसानों को मिल रहा है।"
– नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

मुझे मिला भरोसा, फसलों को मिली सुरक्षा

फसल बीमा कराओ
सुरक्षा कवच पाओ

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की 9 वर्षों की उपलब्धियां

- 82+ करोड़ किसान आवेदन प्राप्त
- लगभग ₹2 लाख करोड़ के क्लेम का किसानों को भुगतान
- 23+ करोड़ किसान आवेदनों को फसल बीमा का लाभ
- राष्ट्रीय फसल बीमा पोर्टल द्वारा पारदर्शी एवं त्वरित दावा भुगतान

पंजीकरण की अंतिम तिथि 31 दिसम्बर, 2025

देशव्यापी हेल्पलाइन 14447

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना

बीमा भागीदार: AIC, Bajaj General, Chola MS, General Central, HDFC ERGO, ICICI Lombard, IFFCO-TOKIO, Kshema, Oriental Insurance, Reliance General Insurance, SBI general, TATA AIG, Universal Sompo General Insurance

अपनी फसलों को आज ही बीमित करने के लिए संपर्क करें

नजदीकी कृषि विभाग कार्यालय | जनसेवा केंद्र | क्रॉप इंश्योरेंस ऐप https://play.google.com | पोस्ट ऑफिस | बैंक शाखा

@PMFBY

योजना से संबंधित अधिक जानकारी के लिए QR कोड स्कैन करें